खंड-'ब' वर्णनात्मक प्रश्न

उत्तर 1. हमारी दृष्टि में परशुराम का क्रोध करना अनुचित है। बिना कारण जाने ही परशुराम राम को दोषी ठहराते हैं। अगर अकारण ही क्रोध किया जाए और सामने वाला विनम्रता से उसके सामने झुक जाए यह भी अनुचित ही माना जायेगा। जिस प्रकार परशुराम ने राम की विनम्रता न देखते हुए व्यवहार किया।

उत्तर 2. (क) मथुरा जाने से सोच में परिवर्तन।

(ख) प्रेम की उपेक्षा, योग से प्रभावित होना।

(ग) कुशल राजनीतिज्ञ होकर छल-प्रपंच का सहारा लेना।

(घ) नीति की अपेक्षा, अनीति का सहारा लेना।

उत्तर 3. कविता में 'नवजीवन वाले' बादलों के लिए कहा गया है, क्योंकि गर्मी से संतप्त धरती के ताप को शांत कर नवजीवन व चेतना प्रदान करना बादलों का कार्य है। प्रकृति का प्रफुल्ल वातावरण पशु-पक्षी तथा मानव में उत्साह और जोश का संचार करता है। कवि भी बादलों की गर्जना से उत्साहित होकर अपने जीवन में निराशा में आशा का संचार देखता है। वह समाज में क्रान्ति का सूत्रपात करने में सक्षम है। अत: नवजीवन वाले कहना सार्थक है।

उत्तर 4. बादल प्यासे लोगों को तृप्त करने, नई कल्पना व नई चेतना को जगाने, ललित कल्पनाओं और क्रान्ति को लाने वाले, निडरता, बिजली जैसी ओजस्विता और शीतलता की ओर संकेत करने वाले तथा नवजीवन और नूतन कविता के अर्थों की ओर संकेत करने वाले हैं।

उत्तर 5. कविता का शीर्षक 'उत्साह' इसलिए रखा गया है, क्योंकि कवि ने बादलों की गर्जना को उत्साह का प्रतीक माना है। प्रस्तुत कविता में ओज गुण विद्यमान है। बादलों की गर्जना नवजीवन का प्रतीक है। मनुष्य में उत्साह होना ही उसकी उन्नति का कारण है, जिसमें उत्साह है, उसी में जीवन है।

उत्तर 6. कृषक का जीवन कृषि पर आधारित है। वह दिन-रात, समय-असमय, दु:ख की चिंता न करते हुए अपने परिश्रम से बीज बोने से लेकर फसल तैयार होने तक का धैर्य रखता है अत: उसके धैर्य और अथक् परिश्रम की पराकाष्ठा को देखकर कृषक को अधिक महत्त्व दिया गया है।

उत्तर 7. जीवन में मनुष्य को सदा सफलता नहीं मिलती। वह जो पाना चाहता है, वह उसे बहुत कम मिला करता है। केवल अप्राप्त वस्तु के लिए जीवनभर दु:खी होना और निष्क्रिय जीवन बिताना उचित नहीं है। जीवन में जो नहीं मिला है, उसे भूलकर भविष्य का चयन करना चाहिए। उसे क्या मिलेगा, क्या नहीं, यह चिन्ता छोड़कर केवल वर्तमान में जीते हुए सुंदर भविष्य के निर्माण के लिए प्रयत्नशील रहना चाहिए।

उत्तर 8. इस पंक्ति से कवि का आशय है कि अतीत की सुखद अनुभूतियों में जीवन के सुखद क्षण की सुनहरी यादें बिखरी पड़ी हैं जिसका स्मरण आते ही अतीत की स्मृतियों के कारण आस-पास का वातावरण भी जीवंत हो उठता है। भाव यह है कि जब हम पुरानी यादों का स्मरण करते हैं तो बीती हुई बातों के मधुर क्षणों के दृश्य हमारे नेत्रों के सामने साकार हो उठते हैं और उन क्षणों की सुंगध भी चारों ओर व्याप्त हो उठती है।

उत्तर 9. माँ के द्वारा बेटी को इस प्रकार की सीख देने का कारण यह है कि वह अपनी बेटी को विवाह के बाद होने वाले संघर्षों का सामना करने हेतु तैयार कर सके। वह अपनी बेटी को डराना व कमज़ोर बनाना नहीं वरन् भावी जीवन की वास्तविकताओं का सामना करने का साहस भरना चाहती थी।

उत्तर 10. अपनी बेटी को विवाह के समय कन्यादान स्वरूप देते हुए एक माँ द्वारा अनुभव किए गए दु:ख को प्रामाणिक कहा गया है, क्योंकि बेटी माँ की सच्ची साथी होती है। इस दु:ख में जरा भी बनावटीपन नहीं था।

उत्तर 11. वर्तमान में संगीत के अलावा संगतकार की भूमिका राजनीति, अभिनय, धार्मिक आयोजन, समाज सेवा आदि क्षेत्रों में भी दिखाई देती है। कार्यकर्ताओं, सहकलाकारों, शिष्यों आदि के रूप में ये नेताओं, अभिनेताओं, संतों, धर्माचार्यों और समाज सेवकों का मात्र सम्मान बढ़ाने में लगे रहते हैं। इसके बिना कार्य की सफलता संभव नहीं है।

उत्तर 12. संगतकार दूसरों को शीर्ष पर पहुँचाने का कार्य करते हैं। संगतकार के बिना मुख्य कलाकार असफल ही रहता है। संगतकार के माध्यम से कवि, नाटक, संगीत, फिल्म तथा नृत्य आदि कलाओं में काम करने वाले सहायक कलाकारों तथा किसी भी क्षेत्र में कार्यरत सहायक कर्मचारियों की ओर संकेत करता है। ये अपने मानवतावादी दृष्टिकोण से मुख्य व्यक्ति की भूमिका को विशिष्ट बनाने का महत्त्वपूर्ण कार्य करते हैं।